



बैंक पर निबंध

शिव कुमार

प्रस्तावना

बैंक वित्तीय संस्थाएं हैं जो आम जनता को धन उधार देते हैं और उनका धन जमा करने के लिए स्वीकार करते हैं। बैंक देश में धन के प्रवाह को बनाए रखते हैं और साथी ही देश के आर्थिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। विभिन्न प्रकार के बैंक हैं जो व्यक्तियों के साथ-साथ व्यवसायों के लिए विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करते हैं।

बैंकों के प्रकार

यहां विभिन्न प्रकार के बैंक और उनके कार्य बताए गए हैं:

1. नेशनल/राष्ट्रीय बैंक

इस नाम के अलावा इन बैंकों को केन्द्रीय या संघीय बैंक नाम से भी जाना जाता है। ये बैंक सरकार की वित्तीय प्रणाली का प्रबंधन करते हैं। ये गैर लाभकारी संस्थान दूसरे बैंकों में बैंकों के रूप में सेवा करते हैं। प्रत्येक देश में एक सेंट्रल बैंक होता है। राष्ट्रीय बैंकों के कुछ कार्यों में विदेशी मुद्रा की निगरानी करना, देश की मुद्रा को नियंत्रित करना और कागजी मुद्रा जारी करना शामिल है। वे सामान्य जनता के साथ सौदा नहीं करते।

2. रिटेल बैंक



यह बैंकों का सबसे सामान्य प्रकार है। ये आम तौर पर आम जनता की आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए स्थापित किए गए हैं। ये बैंक बचत खाते खोलते हैं, क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराते हैं, ऋण प्रदान करते हैं और अन्य सेवाओं के साथ लॉकर सुविधा प्रदान करते हैं।

3. सेविंग/बचत बैंक

ये विशेष रूप से लोगों के बीच पैसे बचाने की आदत पैदा करने के लिए स्थापित किए गए हैं। इन बैंकों में ग्राहकों से जमा धन को प्रतिभूतियों और बांड में बदल दिया जाता है। ये 18वीं सदी में यूरोपीय देशों में वापस स्थापित किए गए थे। इसके अलावा ये बैंक लोगों की जमाराशियां स्वीकार करते हुए कई अन्य सेवाएं भी प्रदान करते हैं।

4. कमर्शियल/व्यवसायिक बैंक

इन बैंकों का मुख्य उद्देश्य व्यवसाय वर्ग को सहायता करना है। वे व्यापारियों को ऋण प्रदान करते हैं और उन्हें अन्य सेवाएं भी उपलब्ध कराते हैं जो व्यापारिक पुरुषों के लिए उपयोगी होती हैं। इनमें से कुछ सेवाओं में बिल का आदान-प्रदान, ओवरड्राफ्ट और चेक संग्रह शामिल है।

5. इन्वेस्टमेंट/निवेश बैंक

इन बैंकों को भी व्यवसायों की सहायता के लिए स्थापित किया गया है। इन बैंकों की मदद से व्यापारियों ने वित्तीय बाजारों में मजबूती स्थापित की है। इन्वेस्टमेंट बैंक उन व्यवसायियों को सुविधा प्रदान करते हैं जिन्हें निवेशकों को कर्ज बेचने की आवश्यकता होती है या अपने व्यवसाय के लिए सार्वजनिक जनता से पैसे प्राप्त करना चाहते हैं।



6. लैंड मोर्टगेज/भूमि बंधक बैंक

इन्हें कृषि बैंक या भूमि विकास बैंकों के रूप में भी जाना जाता है। मुख्य रूप से इसे वित्तपोषित करके कृषि क्षेत्र की सहायता के लिए स्थापित किया गया है। ये बैंक भूमि विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बैंकों की इस विशेष श्रेणी में आने का कारण यह है कि कृषि क्षेत्र के वित्तपोषण में बहुत जोखिम है और अन्य व्यवसायों का समर्थन करने वाले वाणिज्यिक बैंक ऐसे जोखिम लेने के लिए तैयार नहीं हैं।

7. कोआपरेटिव/सहकारी बैंक

कोआपरेटिव/सहकारी बैंक छोटे-छोटे किसानों, छोटे-छोटे व्यवसायों और वेतनभोगी लोगों को ऋण प्रदान करते हैं। वे लोगों को वाणिज्यिक और खुदरा सेवाएं प्रदान करते हैं। ये बैंक सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1912 के तहत पंजीकृत हैं।

8. कंज्यूमर/उपभोक्ता बैंक

ये बैंक विशेष रूप से टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं जैसे कि कार, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर, फर्नीचर आदि खरीदने के लिए ऋण प्रदान करने के लिए स्थापित किए गए हैं। ये बैंक अपने उपभोक्ताओं को आसानी से किशतों में ऋण चुकाने का लाभ दे देते हैं। ये ज्यादातर दूसरे देशों में पाए जाते हैं।

9. इंडस्ट्रियल/औद्योगिक बैंक



इन्हें विकास बैंक नाम से भी जाना जाता है। इन बैंकों की स्थापना औद्योगिक क्षेत्र की सहायता के लिए की गई है। ये बैंक शेयर और डिबेंचर जारी करके नकद धन स्वीकार करते हैं। ये बैंक उद्योगों को अपने विस्तार और उन्हें विकसित करने में मदद करने के लिए दीर्घकालिक ऋण प्रदान करते हैं। आजादी के बाद देश में ऐसे कई बैंक स्थापित किए गए हैं।

10. एक्सचेंज/विनिमय बैंक

ये बैंक विशेष रूप से विदेशी व्यापार के वित्तपोषण का काम करते हैं। इन बैंकों के कुछ मुख्य कार्यों में विदेशी बिलों की छूट, चांदी और सोने की बिक्री और खरीद तथा निर्यात और आयात व्यापार को चलाने में सहायता प्रदान करना शामिल है।

निष्कर्ष

सामान्य जनता के साथ-साथ पूरे देश के वित्तीय मुद्दों को कम करने के लिए बैंकों की स्थापना की जाती है। विभिन्न प्रकार के बैंक विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति करते हैं और विभिन्न वर्गों की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थापित किए गए हैं।